

15/2/2021

पञ्जाबली पेशा हुई जाय व जाय  
 अधिकतर अनुषा जाय व जाय व  
 को रुक रुक कर कार कर आवाज  
 दिलावायी गयी। फिर भी कोई उपहार  
 नहीं आये। पञ्जाबली रुक रुक पेशा व  
 अटक हाजरी में खारज कि जाती  
 है। पञ्जाबली केशल सुकार व नमि  
 ले कम <sup>देकर</sup> नमि करि ल है

*[Faint, mostly illegible handwritten text]*



2009/11/22